



# मन्त्र जाप से इच्छापूर्ति करें



गुरुदेव राज कुमार

**मन्त्र जाप  
से इच्छापूर्ति करें**

**गुरुदेव राज कुमार**

लोगो के जीवन में भिन्न-भिन्न तरह के समस्या होती हैं । सभी को अपने जीवन में कुछ विशेष इच्छापूर्ति की कामना होती है । व्यक्ति अपने जीवन से सभी समस्याओं का निदान चाहता है और अपने विशेष इच्छा की पूर्ति भी करना चाहता है ।

जीवन की सभी समस्याओं से निजात पाना और जीवन की कोई विशेष इच्छा की पूर्ति मन्त्र जाप से सम्भव हो सकती है ।

इस पुस्तक में मन्त्र जाप से ईश्वर की कृपा प्राप्त करके अपने जीवन से सभी समस्याओं से मुक्त होने और अपने किसी विशेष इच्छा की पूर्ति के लिए ईश्वर की कृपा को आवाहन करके जीवन को सुखमय बनाने की विधि की जानकारी देने की कोशिश की गई है ।

## अस्वीकरण ( Disclaimer )

मन्त्र साधना और मन्त्र जाप पूर्ण रूप से श्रद्धा और विश्वास के विज्ञान पर आधारित हैं । मन्त्र जाप का लाभ प्रत्येक साधक को एक सामान नहीं मिलता है किसी को जल्दी तो किसी को शीघ्र सफलता मिलता है । इसलिय श्रद्धा और विश्वास के साथ मन्त्र जाप करते रहे जब तक इच्छापूर्ति न हो जाये ।

इस पुस्तक में मन्त्र जाप करने की विधि साधको के अनुभव के आधार पर प्रकाशित की गई हैं । पुस्तक में जो मन्त्र हैं , वे प्रामाणिक हैं , परन्तु सफलता या असफलता के पीछे साधक का विवेक , श्रद्धा व विश्वास मुख्य रूप से प्रभावक रहती हैं । अतः मन्त्र साधना की सफलता - असफलता के प्रति प्रकाशक या लेखक किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं हैं । अतः उनके सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की आलोचना या आपत्ति इस पुस्तक के लेखक को मान्य नहीं होगा ।



गुरुदेव राज कुमार

## **अक्षर मन्त्र तन्त्र यन्त्र**

Address : J 34/209, West Sagar pur,

New Delhi - 110046.India

Email : [aksharmty@ymail.com](mailto:aksharmty@ymail.com)

[www.aksharmty.in](http://www.aksharmty.in)

इस में पुस्तक सरल मन्त्र जाप करने का तरीका दिया गया है । साधको के लिय पुस्तक में उपयोगी 30 मन्त्रों का संग्रह भी है। इन मंत्रों का उपयोग करके जीवन में आ रहे समस्याओं को दूर करके जीवन को सुगम बनाया जा सकता है।

हालांकि सभी मन्त्र अपने आप में शक्तिशाली होते हैं और सभी इच्छाओं को पूरा करने में समर्थ होती हैं । लेकिन मन्त्र श्रद्धा व विश्वास पर काम करती हैं । इसलिए मन्त्र से परिणाम प्राप्त होने में समय लग जाता है । इसलिए मेरा साधकों से अनुरोध है कि साधना को पूरा करें । यदि कभी परिणाम मिलने में देर हो तो धैर्य रखते हुए साधना पूरा करें । कई बार एक साधना को 3 बार करने पर कार्य सिद्धि होती है।

मंत्रों का उपयोग करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति से सलाह लेकर करें । किसी भी साधना में सफलता -

असफलता साधक की मानसिक स्थिति , श्रद्धा व विश्वास के अनुसार प्राप्त होगी ।

संग्रहकर्ता साधना में लाभ-हानि की कोई जिम्मेदारी नहीं लेता ।

लेखक : राज कुमार

तिथि : २६-०४-२०२४



## मेरे बारे में

मुझे बचपन से ही मन्त्र का शोक रहा है | इसलिए मन्त्र विद्या को समझने के लिए कई जानकार लोगों के संपर्क में आया | लेकिन मन्त्र को सही तरीके से समझने में मुझे मेरे स्कूल के एक मित्र का और मेरे परिवार का विशेष सहयोग रहा है | उन्होंने मुझे मन्त्र व ध्यान के आधारिक स्तर की कई जानकारी दी साथ ही अभ्यास भी करवाया |

विशेष व्यक्ति के रूप में मुझे गुरुदेव मिले , जिनकी जानकारी मुझे मेरे भाई साहब से ही मिली थी | कई महीने के कोशिश के बाद मुझे गुरुजी से मिलने का मौका मिला और मन्त्र दीक्षा को प्राप्त किया |

गुरुजी से कई मन्त्र दीक्षा लेकर मन्त्र अभ्यास के बाद ,मैंने गुरुजी से मन्त्र ज्ञान को समाज में प्रसारित करने की अनुमति माँगी तो उन्होंने मुझे उनके नाम का उपयोग न करते हुए समाज में अपनी पहचान बनाने की अनुमति दी | जिसे के

बाद मैंने " अक्षर मन्त्र तन्त्र यन्त्र " को शुरू किया और कई लोगों को मन्त्र साधना की शिक्षा व दीक्षा भी दी ।

अक्षर मन्त्र तन्त्र यन्त्र द्वारा पिछले २५ वर्षों से मन्त्र जाप से अपने मनोकामना पूर्ति के लिए और अपनी समस्याओं का निदान करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है ।

अक्षर मन्त्र तन्त्र यन्त्र द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ :

- मन्त्र दीक्षा
- मन्त्र जाप के लिए मार्गदर्शन
- मन्त्र जाप के लिए मन्त्र से सिद्ध प्राण प्रतिष्ठित स्फटिक मन्त्र जाप माला
- मन्त्र उपचार ( फोटो के माध्यम से )
- जातक के समस्याओं और इच्छापूर्ति के लिए मन्त्र जाप

## मन्त्र क्या हैं ?

संसार में उपस्थित सभी वर्ण अपने आप में एक मन्त्र हैं । ऐसे वर्ण , शब्द और वाक्य जिनका अर्थ आपके मन - मस्तिष्क को स्वीकार हैं उसे ही मन्त्र कह सकते हैं ।

## मन्त्र कैसे काम करती हैं ?

जब भी हम कोई भी शब्द उच्चारण करते हैं तो उस वर्ण से विशेष प्रकार की तरंग उत्पन्न होती हैं । जो ब्रह्मांड से ईश्वरीय उर्जा को अपने ओर आकर्षित करती हैं । इसी उर्जा के प्रभाव से हमारे आस-पास सकारात्मक परिवर्तन हो कर हमारे जीवन से समस्याओं को कम

करती हैं और हमारी इच्छा पूर्ति की सम्भावनाओं को निर्मित करती हैं ।

## क्या मन्त्र कीलित(शापित) हैं ?

ऐसा कुछ पुस्तकों में वर्णित है कि कुछ वैदिक मन्त्रों को ऋषियों द्वारा कीलित किया गया है ताकि उनका दुरुपयोग न हो सके । मगर यह मेरा अपना मत है कि किसी भी मन्त्र को सब के लिये कीलित नहीं किया जा सकता है लेकिन किसी व्यक्ति विशेष के लिये कुछ समय के लिये कीलित किया जा सकता है ।

## क्या मन्त्र सिद्धि के लिए कोई विशेष महूरत होनी चाहिए ?

कुछ देवी-देवता के विशेष मन्त्रों के लिए महूरत की आवश्यकता होती है । लेकिन सामान्य मन्त्र और गुरु

द्वारा दीक्षित होने के बाद गुरु निर्देश या अपने आवश्यकतानुसार कभी भी मन्त्र साधना की जा सकती हैं ।

## मन्त्र का उपयोग कब करें ?

जिस प्रकार भूख लगने पर किसी महूरत का इंतज़ार नहीं किया जाता है उसी प्रकार आवश्यक होने पर मन्त्रों का उपयोग अपने आवश्यकतानुसार करना चाहिए ।

## मन्त्र जाप के लिए सामग्री

मन्त्र जाप करते समय साधक ( मन्त्र जाप या साधना करने वाला ) के पास अपने ईष्ट की तस्वीर या मूर्ति और मन्त्र सिद्ध प्राण प्रतिष्ठित मन्त्र जाप माला होनी चाहिए । इसके आलावा दीपक , कुमकुम , भोजपत्र या कागज , लाल स्याही , कलम , कच्चे चावल , सामग्री

स्थापित करने के लिए कपड़ा ( मन्त्र के देवी-देवता के  
रंग के अनुसार ) ।

# मन्त्र सिद्ध प्राण प्रतिष्ठित

## मन्त्र जाप माला



किसी भी स्फटिक की माला को विशेष देवी-देवता के मन्त्र से अभिमन्त्रित करके प्राण प्रतिष्ठित की गई माला ।

स्फटिक की माला को किसी भी मन्त्र जाप या मन्त्र साधना में उपयोग किया जा सकता है | अन्य माला सभी मन्त्र जाप में उपयोग नहीं की जा सकती हैं जैसे : शिव साधना में तुलसी उपयोग नहीं की जा सकती हैं |

## मन्त्र सिद्ध प्राण-प्रतिष्ठित मन्त्र जाप माला कहाँ से प्राप्त करें?

मन्त्र सिद्ध प्राण प्रतिष्ठित मन्त्र जाप माला किसी भी विश्वनीय गुरु से या **अक्षर मन्त्र तन्त्र यन्त्र** से प्राप्त कर सकते हैं | **[अक्षर मन्त्र तन्त्र यन्त्र](https://www.akshar-mantra-tantra-yantra.in/)** के वेबसाइट पर जाकर भी प्राप्त कर सकते हैं | **<https://www.akshar-mantra-tantra-yantra.in/>**



मन्त्र जाप की विधि आगे बताया जायेगा ।

## जीवन में सामान्य उपयोग होने वाले मन्त्र

---

### मन्त्र सं 1

गुरु कृपा प्राप्ति के लिए मंत्र

॥ ॐ ह्रीं गुरुभ्यो नमः ॥

जन्म-जन्मांतर के गुरु कृपा को और सिद्धि को प्राप्त करने के लिए  
गुरु मन्त्र से अधिक उपयोगी मन्त्र कोई नहीं ।

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 2

चैतन्य मन्त्र

॥ ॐ ह्रीं मम प्राण देहि रोम प्रतिरोम चैतन्यै जाग्रय ह्रीं ॐ नमः ॥

रोम रोम को सक्रिय व चैतन्य करने के लिए ।

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 3

गुरु को प्रसन्न करने का मन्त्र

॥ ॐ ह्रीं गुरौ प्रसीद ह्रीं ॐ ॥

गुरु को प्रसन्न करके मनोवांछित सिद्धि प्राप्त करने के लिए ।

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 4

गणपति की कृपा प्राप्ति के लिए कल्याणदायक गणपति

मन्त्र

॥ श्रीं ह्रीं गं गणपते गं ह्रीं श्रीं नमः ॥

गणपति मन्त्र सर्व कार्य सिद्धि के लिए ।

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 5

सर्व कार्य सिद्धि मन्त्र

॥ ॐ ह्रीं ऐं कार्य साफल्यं सिद्धये ॐ फट ॥

जप संख्या : 51 बार प्रतिदिन

## मन्त्र सं 6

लक्ष्मी प्राप्ति के लिए मन्त्र

॥ ॐ श्रीं ॐ ॥

जप संख्या : 51 माला प्रतिदिन

## मन्त्र सं 7

इष्ट के दर्शन के लिए

॥ ॐ ह्रीं श्रीं इष्ट दर्शय दर्शय श्रीं ह्रीं ॐ फट ॥

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 1 महीना

## मन्त्र सं 8

रोग मुक्ति के लिए

॥ ॐ क्लीम वं क्लीम रोग निवारणाय फट ॥

जप संख्या : 1 माला प्रतिदिन , मन्त्र जप करके घर की और  
रोगी की शुद्धि करें

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 9

निराशा होने पर मन्त्र

॥ ॐ हुं हुं फट ॥

जप संख्या : 1 माला प्रतिदिन

अवधि : 5 दिन

1 माला मन्त्र जाप करके बाद रोज , ईश्ट को पुष्प चढ़ाये

## मन्त्र सं 10

सूर्य देव के लिए मन्त्र

॥ ॐ घृणि सूर्याय नमः ॥

जप संख्या : 1 माला प्रतिदिन

1 माला मन्त्र जाप करके बाद रोज , सूर्यदेव को जल चढ़ाये

मन्त्र सं 11

मनोकामना पूर्ति मंत्र

॥ ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं मनोवांछित ॐ फट ॥

जप संख्या : 1 माला प्रत्येक शनिवार

अवधि : 21 सप्ताह

## मन्त्र सं 12

पंचमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी मंत्र

॥ ॐ ऐं श्रीं कमलधारिणी हंसः सिद्धये ॐ नमः ॥

जप संख्या : 5 माला प्रत्येक सोमवार

अवधि : 21 सोमवार

मंत्र जप के बाद रुद्राक्ष गले में धारण करें

## मन्त्र सं 13

सम्मोहन मंत्र

॥ ॐ क्लीं सम्मोहनाय फट ॥

जप संख्या : 11 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन



## मन्त्र सं 14

सफलता प्राप्त करने के लिए मन्त्र

॥ ॐ ह्रीं वागवादिनी भगवती मां कार्य सिद्धि करि करि स्वाहा ॥

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 11 दिन

## मन्त्र सं 15

काली मन्त्र

॥ क्रीं क्रीं क्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं हुँ हुँ हुँ दक्षिणे कालिके क्रीं क्रीं क्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं हुँ हुँ  
हुँ स्वाहा ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 16

तारा मंत्र

॥ ऐं ओं ह्रीं क्लीं हुँ फट ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 17

षोडशी मंत्र

॥ ह्रीं कएईल ह्रीं हसकहल ह्रीं सकल ह्रीं ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 18

भुवनेश्वरी मंत्र

॥ ह्रीं ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 19

छिन्नमस्ता मंत्र

॥ श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं वज्र वैरोचनीये हुँ हुँ फट स्वाहा ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 20

त्रिपुर भैरवी मन्त्र

॥ ह सैं ह स क ऋ ह सैं ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 21

धुमावती मन्त्र

॥ धूँ धूँ धुमावती ठः ठः ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 22

### बगलामुखी मन्त्र

॥ ॐ ह्रीं बगलामुखी सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तंभय जिवहां  
किलय बुद्धिविनाशय ह्रीं ॐ फट ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 23

### मातंगी मन्त्र

॥ ॐ ह्रीं क्लीं हूं मातंगये फट स्वाहा ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 24

### कमला मन्त्र

॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्र सौः जगतप्रसूतये नमः ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 25

### हनुमान मन्त्र

॥ ॐ हनु हनुमानते नमः ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

## मन्त्र सं 26

वाक मन्त्र

॥ ॐ अं ॐ ॥

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

## मन्त्र सं 27

लघु महामृत्युंजय मन्त्र

॥ ॐ जूँ सः ॥

जप संख्या : 12500

अवधि : 11 दिन

## मन्त्र सं 28

### महामृत्युंजय मंत्र

॥ ॐ त्र्यंबक यजमहे सुगन्धि पुष्टिवर्धनम उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

जप संख्या : 12500

अवधि : 5 1 दिन

## मन्त्र सं 29

### नवग्रह के लिए मन्त्र

॥ ॐ सकन्द मताये नमः ॥

जप संख्या : 1 माला

अवधि : प्रत्येक शनिवार



### मन्त्र सं 30

मनोवांछित धन के लिए मन्त्र

॥ गुरुदेव मम पंच कोटि धन लक्ष्मी देहि देहि ॥

जप संख्या : 11 माला प्रतिदिन

अवधि : कार्य सिद्धि तक

### मन्त्र सं 31

घर प्राप्ति के लिए मन्त्र

॥ गुरुदेव मम भवन लक्ष्मी प्रसन्न कुरु कुरु स्वाहा ॥

जप संख्या : 11 माला प्रतिदिन

अवधि : कार्य सिद्धि तक

# मन्त्र जाप की विधि

१. मन्त्र जाप से पहले अपने मन मस्तिक में अपना लक्ष्य निश्चित करें ।
२. मन्त्र सिद्ध प्राण प्रतिष्ठित मन्त्र जाप माला सहित सभी सामग्री प्राप्त करें ।
३. मन्त्र जाप के लिए अवधि और समय निश्चित करें ।
४. मन्त्र जाप के लिए संकल्प करें ।
५. वस्त्र को बाजोट पर विछाये ।
६. अपनी साधना अवधि , साधना समय और साधना लक्ष्य गुरु को मानसिक रूप से बताये और साधना में सफलता के लिए प्रार्थना करें ।

७. गुरु मन्त्र का जाप ५ माला जाप करें ।
८. इच्छा दोहराते हुए हृदय पर हाथ रखकर चैतन्ये  
मन्त्र का जाप २१ बार करें ।
९. सभी सामग्री पर हाथ रखकर चैतन्ये मन्त्र का जाप  
२१ बार करें ।
१०. ईष्ट की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें ।
११. पंच उपचार से इष्टदेव का पूजन करें ।
१२. अपनी साधना अवधि , साधना समय और साधना  
लक्ष्य ईष्ट को बताये और साधना में सफलता के  
लिए प्रार्थना करें ।
१३. गुरु मन्त्र या ईष्ट मन्त्र का जाप करते हुए भोजपत्र  
पर स्याही से इच्छा लिखें ।
१४. भोजपत्र को बाजोट पर बिछाये और कपड़े पर रखे  
और उस पर कच्चे चावल रखे ।

१५. कच्चे चावल पर दीपक रखे ( तेल या घी अपने सामर्थ अनुसार उपयोग करें ) ।
१६. ॐ अम अग्नये चतनाये भवः का उच्चारण करते हुए दीपक जलाये ।
१७. मन्त्र सिद्ध प्राण प्रतिष्ठित मन्त्र जाप माला का कुमकुम या चन्दन से तिलक करें ।
१८. अपने गुरु या ईष्ट का ध्यान करके मन्त्र जाप आरम्भ करें ।
२०. मन्त्र जाप पूरा होने पर पुनः अपनी इच्छा ३ बार दोहराएं ।
२१. गुरु मन्त्र का जाप १ माला जाप करें ।

इति मन्त्र जाप विधि

## ध्यान देने योग्य बातें

- अपनी साधना अवधि , साधना समय केवल पहले दिन ही दोहराए ।
- प्रतिदिन मूल मन्त्र का जाप से पूर्व इच्छा ५ बार और अंत में ३ बार दोहराएं ।
- इच्छा हमेशा विषम संख्या में ही दोहराए ।
- मन्त्र जाप का समय हमेशा एक ही रखें ।
- साधना समाप्त होने तक भोजपत्र और चावल को न हटाएं ।
- इच्छा पूर्ण होने से पूर्व या तक मन्त्र साधना की पुनर्वृत्ति ३ बार अवश्य करें ।
- इच्छा पूर्ण होने पर मन्त्र साधना की पुनर्वृत्ति की आवश्यकता नहीं होती हैं ।
- मन्त्र साधना से पूर्व मन्त्र दीक्षा लेने से सफलता की संभावना बढ़ जाती हैं इसलिए मन्त्र दीक्षा अवश्य ले ।

- साधना के अंतिम दिन अपने श्रद्धा अनुसार प्रसाद बनाये । प्रसाद खुद ग्रहण करे और यदि सामर्थ हो तो प्रसाद वितरण भी कर सकते हैं ।
- मन्त्र जाप करते समय साधक का मुख खुले हवा के स्रोत और प्राकृतिक रौशनी की दिशा की ओर होना चाहिए ।

## प्रमुख मन्त्र दीक्षा

1. गुरु दीक्षा-पहली दीक्षा से शिष्य बनना।
2. ज्ञान दीक्षा- असाधारण ज्ञान प्राप्त करने और प्रतिभा में वृद्धि करने के लिए।
3. जीवन मार्ग दीक्षा- जीवन को जीवंत बनाने के लिए।
4. शाम्भवी दीक्षा- "शिवत्व" प्राप्त कर "शिवमाया" प्राप्त करना।
5. चक्र जागरण दीक्षा- सभी "शत चक्रों" (छह चक्र) को जगाने की दीक्षा।
6. विद्या दीक्षा- एक साधारण बच्चे को बुद्धिमान प्राणी में बदलना।
7. शिष्याभिषेक दीक्षा- पूर्ण शिष्य बनने के लिए स्वयं का पूर्ण समर्पण।
8. आचार्याभिषेक दीक्षा- ज्ञान की समग्रता प्राप्त करने के लिए।
9. कुण्डलिनी जागरण दीक्षा- सात चरणों वाली इस दीक्षा से

असाधारण व्यक्तित्व प्राप्त किया जा सकता है।

10. गर्भस्थ शिशु चैतन्य दीक्षा- गर्भ में संतान को प्रबुद्ध करने के लिए।

11. शक्तिपात युक्त कुंडलिनी जागरण दीक्षा- जीवन के "परम सत्य" को प्राप्त करने के लिए गुरु की तप-ऊर्जा को शिष्य के शरीर में स्थानांतरित करना।

12. कुण्डलिनी जागरण दीक्षा चित्र के द्वारा- कुण्डलिनी जागरण दीक्षा शिष्य के चित्र पर प्राप्त होती है।

13. धन्वंतरि दीक्षा- स्वास्थ्य की उत्तम स्थिति प्राप्त करने के लिए।

14. साबर दीक्षा- तांत्रिक साधना में सफलता पाने के लिए।

15. सम्मोहन दीक्षा- शरीर में असाधारण आकर्षण प्राप्त करने के लिए।

16. संपूर्ण सम्मोहन दीक्षा- सभी को आकर्षित करने की कला प्राप्त करना।

17. महालक्ष्मी दीक्षा- धन लाभ और समृद्धि प्राप्त करने के लिए।



18. कनकधारा दीक्षा- धन के निरंतर प्रवाह के लिए दीक्षा।
19. अष्ट लक्ष्मी दीक्षा- असामान्य ऐश्वर्य प्राप्त करने वाली विशेष दीक्षा।
20. कुबेर दीक्षा- स्थायी रूप से धन और समृद्धि प्राप्त करने के लिए।
21. इंद्र वैभव दीक्षा- प्रसिद्धि और धन प्राप्त करने के लिए।
22. शत्रु संहारक दीक्षा- शत्रुओं पर विजय पाने के लिए।
23. अप्सरा दीक्षा- सिद्ध को (नियंत्रित करने के लिए) एक अप्सरा।
24. ऋण मुक्ति दीक्षा- कर्ज से मुक्ति पाने के लिए।
25. शतोपंथी दीक्षा- भगवान शिव की असाधारण शक्ति प्राप्त करने के लिए।
26. चैतन्य दीक्षा- एक दीक्षा शक्ति प्रदान करने और पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए।
27. उर्वशी दीक्षा- यौवन प्राप्त करने और वृद्धावस्था से छुटकारा पाने के लिए।
28. सौंदर्योत्तमा दीक्षा- सौंदर्य बढ़ाने के लिए।

29. मेनका दीक्षा- जीवन में शारीरिक सफलता प्राप्त करने के लिए।
30. स्वर्णप्रभा यक्षिणी दीक्षा- अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के लिए।
31. पूर्ण वैभव दीक्षा- सभी प्रकार के ऐश्वर्य और धन की प्राप्ति के लिए।
32. गंधर्व दीक्षा - संगीत में पूर्णता प्राप्त करने के लिए।
33. साधना दीक्षा - पिछले जन्म की साधना को इस जन्म से जोड़ने के लिए।
34. तंत्र दीक्षा - तांत्रिक साधनाओं में सफलता पाने के लिए।
35. बगलामुखी दीक्षा- शत्रुओं पर विजय पाने के लिए।
36. रासेश्वरी दीक्षा - रसायन विज्ञान और पारा विज्ञान में पूर्णता प्राप्त करने के लिए।
37. अघोर दीक्षा - शिव साधनाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने के लिए।
38. शिघ्र विवाह दीक्षा - शीघ्र विवाह के लिए।
39. सम्मोहन दीक्षा - तीन चरणों वाली एक महत्वपूर्ण दीक्षा।
40. वीर दीक्षा - वीर साधना करना।

41. सौंदर्य दीक्षा- दुर्लभ सौन्दर्य की प्राप्ति के लिए।
42. जगदम्बा सिद्धि दीक्षा- देवी जगदम्बा को प्रसन्न करने के लिए।
43. ब्रह्म दीक्षा- दैवीय शक्तियों को प्राप्त करने के लिए।
44. स्वास्थ्य दीक्षा- रोगमुक्त स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिए।
45. कर्ण पिसाचिनी दीक्षा- किसी व्यक्ति के अतीत और वर्तमान को जानने के लिए।
46. सर्प दीक्षा - सर्प दंश से मुक्ति और जीवन सुरक्षा के लिए।
47. नवर्ण दीक्षा- सिद्ध (नियंत्रण) त्रिशक्ति (त्रिशक्ति) को।
48. गर्भस्थ शिशु कुंडलिनी जागरण दीक्षा - गर्भ में संतान को एक अलौकिक के संस्कार मिलते हैं।
49. चाक्षुषमती दीक्षा- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए।
50. काल ज्ञान दीक्षा - काल (काल) का ज्ञान प्राप्त करने के लिए।
51. तारा योगिनी दीक्षा- अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के लिए।
52. रोग निवारण दीक्षा- सभी रोगों से मुक्ति पाने के लिए।
53. पूर्णतव दीक्षा- जीवन में समग्रता प्राप्त करने के लिए

**दीक्षा।**

**54. वायु दीक्षा - अपने आप को हवा की तरह हल्का बनाने के लिए।**

**55. क्रिया दीक्षा- किसी को पूरी तरह से बर्बाद करने के लिए सिद्धि प्राप्त करना।**

**56. भूत दीक्षा- भूतों को पूरी तरह से नियंत्रित करने की दीक्षा।**

**57. आज्ञा चक्र जागरण दीक्षा- दुर्लभ दृष्टि प्राप्त करने के लिए।**

**58. जनरल वैताल दीक्षा- वैताल पर नियंत्रण पाने के लिए।**

**59. विशेष वैताल दीक्षा- वैताल पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए।**

**60. पंचांगुली दीक्षा- हस्तरेखा में सिद्धि प्राप्त करने के लिए।**

**61. अनंग रति दीक्षा - सौंदर्य और युवा शक्ति प्राप्त करने के लिए।**

**62. कृष्णतव गुरु दीक्षा - विश्व के आध्यात्मिक गुरुओं की शक्तियाँ प्राप्त करने के लिए।**

**63. हेरम्ब दीक्षा - भगवान गणपति को प्रसन्न करने के लिए।**

**64. हादी-कादी दीक्षा - नींद, भूख और प्यास पर नियंत्रण पाने के लिए।**

65. आयुर्वेद दीक्षा- आयुर्वेद के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करना।

66. वराहमिहिर दीक्षा - ज्योतिष के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करना।

67. तंत्रोक्त गुरु दीक्षा - आध्यात्मिक गुरु (गुरु) से शक्तियाँ प्राप्त करने के लिए।

68. गर्भ चयन दीक्षा - मनचाहा गर्भ पाने के लिए।

69. निखिलेश्वरानंद दीक्षा - सन्यासी की विशेष शक्तियाँ प्राप्त करने के लिए।

70. दीर्घायु दीक्षा - जीवन की एक बड़ी अवधि पाने के लिए।

71. आकाश गमन दीक्षा - इस दीक्षा से आत्मा आकाश में भ्रमण करती है।

72. निर्बीज दीक्षा - जीवन, मृत्यु और कर्म की बेड़ियों को समाप्त करने के लिए।

73. क्रिया योग दीक्षा - जीव (आत्मा) और ब्रह्मा का ज्ञान प्राप्त करने के लिए।

74. सिद्धाश्रम प्रवेश दीक्षा - सिद्धाश्रम में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त

करती है।

75. सोडा अप्सरा दीक्षा - जीवन में हर प्रकार की सुख-समृद्धि पाने के लिए।

76. षोडसी दीक्षा - सोलह कलाओं "त्रिपुर सुंदरी" साधना की प्राप्ति के लिए दीक्षा।

77. ब्रह्मानंद दीक्षा - ब्रह्मांड के अनंत रहस्यों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए।

78. पाशुपतेय दीक्षा - स्वयं को भगवान शिव से मिलाना।

79. कपिला योगिनी दीक्षा - कपिला योगिनी पर नियंत्रण पाने के लिए।

80. गणपति दीक्षा - भगवान गणपति को प्रसन्न करने और उनका विशेष आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए।

81. वाग्देवी दीक्षा - गहराई से बोलने की क्षमता प्राप्त करना। वास्तव में यह अच्छे भाग्य से ही होता है कि व्यक्ति दीक्षा प्राप्त करने में सक्षम होता है, और उसके निर्देशों का पालन करके अपने गुरु के करीब आने की प्रक्रिया शुरू की जाती है।

किसी भी मन्त्र सिद्धि के लिए अपने गुरु , इष्ट और अपने  
ऊपर विश्वास करना जरूरी हैं बिना विश्वास और श्रद्धा के  
मन्त्र सिद्धि संभव नहीं हैं ।

## अन्य पुस्तके

---



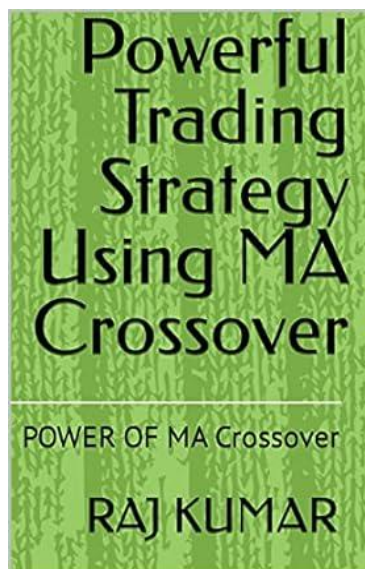
<https://amzn.to/3Qi2gmk>



<https://amzn.to/3UdbUrq>



<https://amzn.to/44iWLts>



<https://amzn.to/4b8eHZH>



